मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 159, मुंबई, मंगलवार, 10 अगस्त, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

स्वतंत्रता दिन पर विशेष छूट
समोसा ₹ 16/- 12/-
जलेबी ₹ 540/- 440/-
मकाई चिवड़ा ₹ 360/- 300/-
(शुद्ध घी की) बूंदी ₹ 400/- 300/-
Scheme Valid 14th & 15th Aug 2021
Order Now
+91 98208 99501
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com

विवादों में शिल्पा शेट्टी और उनकी मां

फ्रेंचाइजी के नाम पर करोड़ों की ठगी का आरोप

सबूत मिलने के बाद हो सकती है गिरफ्तारी

संवाददाता

मुंबई। वैसे किसी ने सच ही कहा है मुसीबत कभी बता कर नहीं आती। अक्सर अपने ग्लैमरस लुक्स की वजह से सुर्खियां बटोरने वाली शिल्पा शेट्टी इन दिनों लगातार परेशानियों का सामना कर रही हैं। पहले तो शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पोर्न फिल्में बनाने और उन्हें एप्स पर अपलोड करने को लेकर गिरफ्तार किया गया है और इस समय राज कुंद्रा जेल में हैं। वहीं अब शिल्पा की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गई हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

जेल में बंद हैं शिल्पा के पति

इससे पहले मुंबई में सॉफ्टपोर्न फिल्में बनाने और उन्हें प्रसारित करने करने के आरोप में एक्ट्रेस के पति राज कुंद्रा को पुलिस ने 19 जुलाई को अरेस्ट किया था। कुंद्रा ज्युडिशियल कस्टडी में हैं। कुंद्रा समेत 11 लोगों को पुलिस इस मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। शिल्पा शेट्टी से भी क्राइम ब्रांच की एक टीम 6 घंटे से ज्यादा की पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में कुंद्रा की दो याचिकाओं को भी हाईकोर्ट और सेशन कोर्ट ने खारिज किया है। हालांकि, एक्ट्रेस और राज कुंद्रा ने पुलिस के आरोपों को लगातार गलत बताया है।

ओशिवारा पुलिस स्टेशन

FOOD INN?

रेस्टोरेंट को कोविड-19 में भी रात भर चलने की

फुल परमीशन

'फूड इन' रेस्टोरेंट के अंदर सीसीटीवी कैमरा की स्क्रीन पर आप देख सकते हैं कि किस तरह रात में कस्टमर भरे हुये हैं और रेस्टोरेंट की किचन में खाना बनाने का काम चालू है

दै. मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। ओशिवारा पुलिस स्टेशन के नाक के नीचे 'फूड इन' रेस्टोरेंट खुलेआम कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन कर रहा था पुलिस स्टेशन को कोई भी खबर नहीं? महाराष्ट्र सरकार ने जो नियम बनाए हैं कोविड-19 के अंतर्गत रेस्टोरेंट्स को शाम 4:00 बजे तक ही बैठा कर खाना खिलाने की परमिशन है,...

(शेष पृष्ठ 3 पर)

'फूड इन' रेस्टोरेंट के फस्ट फ्लोर की तस्वीर

'फूड इन' रेस्टोरेंट के ग्राउंड फ्लोर की तस्वीर

'फूड इन' रेस्टोरेंट के मालिक व स्टाफ को नहीं कानून का डर

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

नीरज का स्वर्ण

भारतीय युवा खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का नाम इतिहास में हमेशा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। 23 वर्षीय नीरज न केवल एथलेटिक्स में स्वतंत्र भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता हैं, बल्कि व्यक्तिगत प्रतिस्पर्द्धा में महज दूसरे स्वर्ण पदक विजेता भी बन गए हैं। टोक्यो में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए उन्होंने 87.58 मीटर दूर तक भाला फेंकने का कारनामा कर दिखाया है। इस प्रतिस्पर्द्धा में पहले से ही नीरज चोपड़ा को स्वर्ण की दौड़ में माना जा रहा था। नीरज ने 86.65 मीटर के थ्रो के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था और ग्रुप ए में शीर्ष पर रहे थे। नीरज एशियाड में स्वर्ण जीत चुके हैं, लेकिन यह उनका पहला ओलंपिक था, जिसमें वह पूरी तैयारी के साथ गए थे और नतीजा पूरी दुनिया के सामने है। जिस भारत को पदक तालिका में बिना स्वर्ण के बहुत नीचे खोजा जा रहा था, वह स्वर्ण जीतते ही पदक तालिका में कुछ सम्मानजनक ऊंचाई पर आ गया। फाइनल में जब नीरज ने दूसरे राउंड में भाला फेंका, तभी वह अपने प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों से आगे हो गए। नीरज अगले राउंड में वैसे ही प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाए, लेकिन कोई भी अन्य खिलाड़ी उनकी दूरी को नहीं छू पाया। अब दूसरे राउंड का स्वर्णिम थ्रो इतिहास में दर्ज हो गया है, जिसे खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की पीढ़ियां बार-बार देखेंगी। किस सफाई और संतुलन के साथ भाला फेंका जाता है, लोग नीरज चोपड़ा से सीखेंगे। इस महान उपलब्धि पर नीरज चोपड़ा को अभिभूत होने से बचना चाहिए। अभी उनकी उम्र कम है और वह कम से कम एक और ओलंपिक व एक और स्वर्ण जीत सकते हैं। भारत ने अपने अनेक खिलाड़ियों को चमकने के बाद ओझल होते देखा है, जबकि देश को ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है, जो लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी चमक बिखेरें और देश को गौरवान्वित करें। एक बहुत मोटे बच्चे से ओलंपिक पदक विजेता तक का उनका सफर न केवल खिलाड़ियों, बल्कि आम लोगों को भी फिटनेस के लिए बार-बार प्रेरित करेगा। व्यक्ति अगर ठान ले, तो कुछ भी असंभव नहीं। किसान के बेटे नीरज चोपड़ा देश के नवीनतम उज्ज्वल आदर्श हैं। नीरज की ऐतिहासिक जीत के साथ ही भारत के लिए यह ओलंपिक आज तक का सबसे बेहतरीन ओलंपिक है। इसके पहले भारत ने साल 2012 के ओलंपिक में छह पदक जीतकर कमाल किया था, इस बार भारत सात पदक जीतकर नई ऊंचाई पर है। शनिवार को ओलंपिक में नीरज के स्वर्ण के अलावा भारत ने कुश्ती में भी बजरंग पूनिया के बल से एक कांस्य जीता है। गोल्फ में हम पदक जीतने के करीब पहुंचकर रह गए। भारत के लिए पूरी गंभीरता से खेलों पर काम करना जरूरी है। हमारे खिलाड़ियों में कोई खास कमी नहीं है, लेकिन आखिरी समय में जो कमजोरी या कमी रह जा रही है, उस पर काम करने की जरूरत है। कम से कम चार पदकों को हमने हाथ से फिसलते देखा है और टोक्यो ओलंपिक में हम दस से ज्यादा पदक जीत सकते थे। अगले ओलंपिक की तैयारी के लिए हमें अच्छा मंच मिल गया है। पिछले ओलंपिक की बुरी यादें पीछे रह गई हैं। नीरज चोपड़ा की योजनाओं, संघर्ष और लगन पर हमें गहराई से गौर करना चाहिए। यही वह रास्ता है, जो हमें हमारी आबादी के अनुरूप पदकों की सम्मानजनक संख्या तक पहुंचाएगा।

खेल के तपस्वियों को सलाम !

नीरज चोपड़ा को सलाम! रवि दहिया और बजरंग पूनिया को भी सलाम! पीवी सिंधु, मीराबाई चानू और लवलिना बोरगोहेन को नमन! मनप्रीत सिंह के नेतृत्व में खेली भारतीय हॉकी टीम को नमन! इनमें से छह खिलाड़ियों ने इंडिविजुअल इवेंट्स में भारत को पदक दिलाया और भारतीय हॉकी टीम ने 41 साल बाद पदक जीत कर एक ठहर गए सिलसिले को फिर से शुरू किया। इंसानी क्षमता, उसकी साधना, उसकी एकाग्रता के सर्वोच्च प्रदर्शन यानी ओलंपिक मुकाबले में पदक जीतना इन खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ बनाता है। इसलिए इन सबको नमन। पदक से चूक गई रानी रामपाल के नेतृत्व वाली महिला हॉकी टीम को सलाम और पदक से चूकी दीपिका कुमारी, मैरीकॉम, विनेश फोगाट, अदिति अशोक को भी सलाम। इन खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक में जिस कौशल और जज्बे का प्रदर्शन किया है वह बेमिसाल है और आने वाले बरसों में इस बुनियाद पर उपलब्धियों की एक भव्य और चमकदार इमारत खड़ी होनी है। नीरज चोपड़ा भारत के पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने एथलेटिक्स यानी ट्रैक एंड फील्ड की स्पर्धा में भारत को पदक दिलाया है और वह भी स्वर्ण पदक! संभवतः नीरज चोपड़ा को भी अंदाजा नहीं होगा उन्होंने भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए क्या हासिल किया है? उन्होंने भारत को वह जीत दिलाई है, जिसका यह देश दशकों से इंतजार कर रहा था। अब भारत के पास एक विरासत है, एक मिसाल है, एक मशाल है, जो आगे-आगे चलेगी! भारत के लिए यह बिल्कुल वैसे ही है जैसे मानव सभ्यता के विकास में आग या पहिए का आविष्कार था! जैसे नील आर्मस्ट्रांग का चांद पर पहला कदम रखना था! जैसे शेरपा तेनजिंग नोर्गे का एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचना था! जैसे कुछ भी पहला होना होता है, नीरज चोपड़ा की यह जीत वैसी ही है। इस जीत की कहानी लाखों-करोड़ों युवाओं को असंभव को साधने के लिए प्रेरित करेगी! पदक जीतना नीरज चोपड़ा का निज उद्यम है लेकिन यह इंसान के सामर्थ्य का चरम है, उसकी एकाग्रता और तपस्या का सर्वोच्च शिखर है, यह सर्वोत्तम

है! यह उपलब्धि इतनी बड़ी है कि सर्वश्रेष्ठ होने के बावजूद उनके अंदर श्रेष्ठ होने का भाव नहीं भरती है, उनमें अहंकार नहीं पैदा करती है, बल्कि विरोधी के प्रति भी सम्मान का भाव जगाती है, प्रतिस्पर्धी के बारे में भी अच्छा सोचने के लिए प्रेरित करती है। तभी नीरज चोपड़ा को जर्मन एथलीट जोहानेस वेटर के लिए बुरा लगा। जोहानेस वेटर भाला फेंकने वाले विश्व चैंपियन एथलीट हैं, जिन्होंने 97 मीटर तक भाला फेंका है। उन्होंने ओलंपिक से पहले कहा था कि नीरज उनको छू भी नहीं पाएंगे। दुर्भाग्य से वेटर खराब प्रदर्शन और दो फाउल की वजह से बाहर हो गए। फिर भी नीरज ने कहा कि उनको वेटर के लिए बुरा लगा। नीरज ने एथलेटिक्स में मिला पहला पदक इस देश के संभवतः सबसे महान एथलीट मिल्खा सिंह को समर्पित किया और इस तरह उन्होंने अपनी इस उपलब्धि को 60 साल पुरानी उस असफलता से जोड़ दिया, जिसका बोझ हम भारतीय छह दशक से अपने सीने पर ढो रहे थे! 1960 के रियो ओलंपिक में सेकेंड के सौवें हिस्से के अंतर से मिल्खा सिंह पदक से चूके थे, उस हार का बोझ कितना भारी था, इसे मिल्खा सिंह के साथ साथ पूरा देश महसूस करता रहा। 1984 के लॉस एंजिलस ओलंपिक में पीटी उषा एक सेकेंड के सौवें हिस्से के अंतर से कांस्य पदक से चूकी थीं। उसका बोझ भी हम भारतीय चार दशक से अपने सीने पर महसूस कर रहे थे। नीरज चोपड़ा ने एक झटके में वह बोझ सबके सीने से उतार दिया। यह सिर्फ उनकी उपलब्धि नहीं है और उनको मिला पदक सिर्फ सोना नहीं है, वह करोड़ों भारतीयों के लिए एक प्रेत बाधा से मुक्ति है! वह हर भारतीय के उन्मुक्त आकाश में उड़ने की आजादी है! पूरा जहान हासिल करने की प्रेरणा है! तभी पीटी उषा ने नीरज चोपड़ा को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके इस बेटे ने उनके अधूरे सपने को पूरा कर दिया है। थोड़े ही दिन पहले मिल्खा सिंह अपने अधूरे सपने के साथ दुनिया से विदा हो गए, लेकिन आसमान में कहीं से वे अगर नीरज चोपड़ा को देख रहे होंगे तो जरूर उन्हें आशीर्वाद दे रहे होंगे। सचमुच ओलंपिक में एथलेटिक्स का पदक भारत के लिए एक अधूरा सपना था! भारत का पूरा ओलंपिक अभियान एक ऐसा इंद्रधनुष था, जिसमें सारे रंग नहीं थे! चोपड़ा ने उसमें सारे रंग भर दिए हैं! वे एक महान एथलीट के साथ साथ 'जय जवान और जय किसान' का सर्वोत्तम प्रतीक हैं। आप सोशल मीडिया में खोजें तो चारों तरफ नीरज की सूबेदार की वरदी पहने हुए तस्वीर मिलेगी और साथ ही कंधे पर कुदाल रखे उनके पिता की तस्वीर भी मिलेगी। कंधे पर कुदाल रखे पिता के साथ गर्वोन्नत नीरज चोपड़ा की तस्वीर, मौजूदा समय की संभवतः सबसे खूबसूरत तस्वीर है! टोक्यो ओलंपिक अब तक संयोग से पदक जीतते रहे भारतीयों के प्रदर्शन में निरंतरता आने का भी वह मुकाम है, जिसका बरसों से इंतजार था। यह अनायास नहीं है कि बजरंग पूनिया ने कुश्ती में कांस्य जीतने के बाद अपने गुरू सुशील कुमार को याद किया। सुशील भारत के पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने लगातार दो ओलंपिक में पदक जीते। उससे पहले भारतीय खिलाड़ी जो पदक जीतते थे उसमें संयोग का फैक्टर सबसे बड़ा होता था। जैसे 2004 के ओलंपिक में अंजलि भागवत पदक की दावेदार थीं और पदक ले आए राज्यवर्धन राठौड़। वैसे ही 2008 में पदक के दावेदर थे राठौड़ लेकिन पदक ले आए अभिनव बिंद्रा! संयोग के इस चक्र को पहली बार सुशील कुमार ने अपने प्रदर्शन की निरंतरता से तोड़ा था। उन्होंने साबित किया था कि उनकी पहली जीत संयोग से नहीं हुई थी। वह दिन भी भारत के खेल इतिहास में मील का पत्थर था। तभी उनके शिष्य बजरंग पूनिया ने सेमीफाइनल की हार को पीछे छोड़ कर कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में जिस अंदाज में कुश्ती लड़ी वह इस ओलंपिक की सबसे खूबसूरत चीजों में से एक है।

विपक्षी दलों की बेचैनी के निहितार्थ

लोकसभा के अगले चुनाव में अभी ढाई साल से अधिक का समय है। फिर भी विपक्षी दल अभी से ही नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ गोलबंद होने की कोशिश करने लगे हैं। वे आखिर इतनी जल्दबाजी में क्यों हैं? सत्ता के प्रति उनमें कटुता की इतनी अधिक भावना क्यों है? इसके दो कारण नजर आ रहे हैं। एक तो अगले साल उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। उसके लिए प्रतिपक्ष को अपने पक्ष में माहौल बनाना है। प्रतिपक्ष के कई दलों के सामने एक और बड़ी समस्या है। वह यह कि उनके कई नेताओं एवं रिश्तेदारों के खिलाफ जारी भ्रष्टाचार के मुकदमों में उन्हें कोई राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। दरअसल भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार की शून्य सहनशीलता की नीति ने यह स्थिति पैदा कर दी है। हालांकि अतीत में भी भ्रष्टाचार के मुकदमे देश में दर्ज होते थे, किंतु तब जल्दी-जल्दी सरकारें बदल जाने के कारण मुकदमों को आमतौर पर दबा या दबवा दिया जाता था। एक गैर कांग्रेसी सरकार के प्रधानमंत्री तो

कहा करते थे कि एक खास राजनीतिक परिवार को नहीं 'छूना' है। मोदी सरकार में उस परिवार के साथ-साथ देश के अनेक नेताओं और घरानों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमे चल रहे हैं। वे सुनवाई के विभिन्न स्तरों पर हैं। अगले 34 महीनों में पता नहीं कितने मुकदमों में क्या-क्या निर्णय हो जाएं। इनके आरोपितों को लगता है कि यदि वे भाजपा विरोधी प्रतिपक्ष को जल्द से जल्द एक करने में सफल हो गए तो अभी से केंद्रीय जांच एजेंसियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव डाल सकेंगे कि हम सत्ता में आने ही वाले हैं। इसलिए मामले में आप ज्यादा तेजी मत दिखाइए, लेकिन लोकसभा से पहले उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। प्रतिपक्ष की कोशिश है कि उसके लिए भी मोदी विरोधी माहौल बनाना जरूरी है। उनके अनुसार लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि मोदी सरकार संसद चलाने में भी विफल है। हालांकि लोग देख रहे हैं कि संसद में व्यवधान कौन पैदा कर रहा है। वैसे तो अगले ढाई साल में कौन-सी राजनीतिक, गैर-राजनीतिक घटना होगी, उसकी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। यह भी नहीं कहा जा सकता कि उसका राजनीति और चुनाव पर कैसा असर पड़ेगा, किंतु आज की राजनीतिक स्थिति यह है कि नरेंद्र मोदी का पलड़ा भारी लगता है। मोदी के 40 प्रतिशत वोटों के खिलाफ प्रतिपक्ष के 60 प्रतिशत मतों की गोलबंदी विपक्षी कोशिशों के केंद्र में है। हालांकि यह दिवास्वप्न की तरह ही लगता है। पिछले चुनाव में कई राज्यों में राजग को 50 प्रतिशत वोट मिल चुके हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

हाथी दांत के सौदागरों को पुलिस ने रंगे हाथ किया गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने घाटकोपर इलाके में हाथी के दांत बेचने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों का नाम दीपक कुमार प्रभुदयाल वैष्णव और मोहम्मद फिरोज हाफिज शेख है। जानकारी के मुताबिक सब-इंस्पेक्टर महेश शेलार को सूचना मिली थी कि घाटकोपर रेलवे स्टेशन के पास दो व्यक्ति हाथी के दांत बेचने आ रहे हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जाल बिछाकर गिरफ्तार कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस हाथी दांत की कीमत लगभग 20 लाख रुपये है। दोनों आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। घाटकोपर पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि ये दांत कहां से लाया गया था और किसे बेचा जाना था। पुलिस इनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगालने में जुटी है।

पति ने तलाक देने से किया इनकार, पत्नी ने करवा दी हत्या

मुंबई। मुंबई से सटे भिवंडी के पति द्वारा अपनी पत्नी को तलाक ना देना भारी पड़ गया। गुस्से में पत्नी ने अपने प्रेमी और एक महिला दोस्त की मदद से मंगलसूत्र और अन्य गहने गिरवी रख पति की हत्या करवा दी। पति की हत्या के लिए पत्नी ने हत्यारों को 1 लाख रुपये की सुपारी दी थी। दरअसल पत्नी अपने प्रेमी से शादी करना चाह रही थी लेकिन पति उसे तलाक नहीं दे रहा था। यह मामला कुछ दिन पहले का है। जब पति

की लाश एक कार में नासिक हाईवे के पास मिली थी। मृतक पति एक ओला ड्राइवर था। उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। मृतक का नाम प्रभाकर गंजी था, उसकी पत्नी और आरोपी का नाम श्रुति प्रभाकर गंजी था। मृतक की पत्नी के प्रेमी का नाम नितेश गोवर्धन था और उसकी महिला दोस्त का नाम प्रिया सुहास निकम था। फिलहाल पुलिस दोनों हत्यारों की तलाश में जुटी है।

उद्धव की पीएम मोदी से अपील, '50 प्रतिशत आरक्षण सीमा हटाने के लिए पहल करे केंद्र'

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि मराठा आरक्षण बहाल करने के लिए केंद्र को आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने 'लाइव वेबकास्ट' में राज्य के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की छूट के बिना राज्यों को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की अपनी सूची तैयार करने और आरक्षण प्रदान करने में मदद नहीं मिलेगी। ठाकरे ने कहा, जब मैं दिल्ली में (जून में) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला तो मैंने उनसे कहा कि चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने मराठा आरक्षण रद्द कर दिया है और फैसला सुनाया है कि राज्यों को आरक्षण प्रदान करने का कोई अधिकार नहीं है, इसलिए केंद्र सरकार को (50 प्रतिशत आरक्षण सीमा में ढील के लिए) पहल करनी चाहिए। उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि अब, केंद्र ने राज्यों को (ओबीसी सूची तैयार करने का) अधिकार दे दिया है तो उसे (आरक्षण पर) 50 प्रतिशत की सीमा में ढील देनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री ऐसा करेंगे।

मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण के 208 नये मामले सामने आये, पिछले साल अप्रैल के बाद सबसे कम

संवाददाता

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण के 208 नये मामले सामने आये जबकि तीन और लोगों की इससे मौत हो गयी। पिछले साल अप्रैल के बाद से मुंबई में एक दिन में सामने आने वाले संक्रमितों का ये आंकड़ा सबसे कम है। बृहन्मुंबई नगर निगम के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मुंबई में कुल 372 मरीज संक्रमण मुक्त हुये हैं जिसके बाद यहां अब तक ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ कर 7,15,389 हो गयी है। अधिकारी ने बताया कि नये आंकड़ों के सामने आने के बाद मुंबई में संक्रमितों एवं इससे मरने वालों की कुल संख्या बढ़ कर क्रमशः 7,37,724 और 15,954 हो गयी है। उन्होंने बताया कि मुंबई में पिछले 25 दिनों से 500 से कम मामले सामने आ रहे हैं। इस साल मुंबई में चार अप्रैल को 11,163 मामले आये थे जो एक दिन का सर्वाधिक आंकड़ा है जबकि एक फरवरी को सबसे कम 328 मामले सामने आये थे।

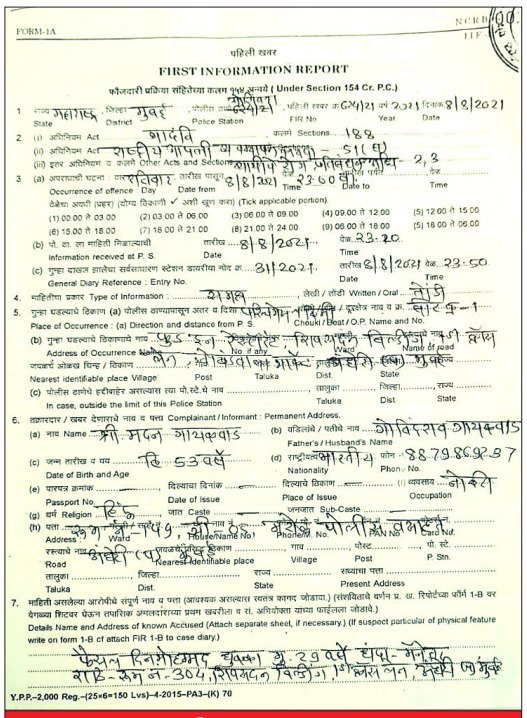

विवादों में शिल्पा शेट्टी और उनकी मां

दरअसल शिल्पा शेट्टी और उनकी मां पर आयोसिस वेलनेस सेंटर के नाम पर लोगों से करोड़ों की ठगी करने का आरोप है। शिल्पा शेट्टी और उनकी मां सुनंदा शेट्टी पर उत्तर प्रदेश में धोखाधड़ी के एक कथित मामले में नामजद किया गया है। एक वेलनेस सेंटर के नाम पर कथित धोखाधड़ी के मामले में शिल्पा और उनकी मां सुनंदा से पूछताछ करने के लिए लखनऊ पुलिस की एक टीम के मुंबई जाने की उम्मीद है। लखनऊ के हजरतगंज और विभूति खंड थाने में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं और पुलिस ने अब दोनों मामलों में जांच तेज कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शिल्पा शेट्टी आयोसिस वेलनेस नाम से एक फिटनेस चेन चलाती हैं। इस कंपनी की अध्यक्ष शिल्पा शेट्टी हैं, जबकि उनकी मां सुनंदा निदेशक हैं। आरोप है कि शिल्पा शेट्टी और उनकी मां ने वेलनेस सेंटर की शाखा खोलने के नाम पर दो लोगों से करोड़ों रुपये लिए, लेकिन वादा पूरा नहीं हुआ। इस मामले में ओमेक्स हाइट्स निवासी ज्योत्सना चौहान ने विभूति खंड थाने में और रोहित वीर सिंह ने हजरतगंज थाने में कथित तौर पर ठगी का मामला दर्ज कराया है। हजरतगंज पुलिस और विभूति खंड पुलिस ने शिल्पा शेट्टी और उनकी मां को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है। डीसीपी (पूर्व) संजीव सुमन ने कहा कि इस मामले में जांच अधिकारी सोमवार को मुंबई के लिए रवाना होकर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनकी मां सुनंदा से पूछताछ करेंगे। वह इस मामले में सभी बिंदुओं की जांच करेंगे। संजीव सुमन ने कहा कि मामला हाईप्रोफाइल है और इसलिए पुलिस सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच कर रही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

ओशिवारा पुलिस स्टेशन ?

FORM-1A
FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 154 Cr. P.C.)

एफआईआर की कॉपी

ओशिवारा पुलिस चौकी के अंतर्गत लोखंडवाला कंप्लेक्स लोखंडवाला मार्केट अंधेरी पश्चिम में फूड इन रेस्टोरेंट पूरी रात ग्राहकों को होटल के अंदर बैठाकर खाना परोस रहा था, होटल के मालिक व स्टाफ को कानून का डर नहीं था। फूड इन रेस्टोरेंट रात भर खुलेआम चल रहा था इसकी जानकारी दै. मुंबई हलचल की टीम ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक व एसीपी ओशिवारा को लिखित अर्जी दी थी, अर्जी देने की तारीख 27 जुलाई थी। अर्जी देने के तकरीबन 10 दिन तक ओशिवारा पुलिस अफसरों ने सिर्फ आश्वासन दिया कोई कार्रवाई नहीं की। 8 अगस्त को हमारी टीम ने रात तकरीबन 10:00 बजे स्टिंग ऑपरेशन किया, हमारी एक टीम ओशिवारा पुलिस स्टेशन गई जहां पर यह सब जानकारी हमने एपीआई समीरा सय्यद को दी। कुछ समय ढीले होने के बाद हमारे साथ में एक पुलिस कांस्टेबल को भेजा गया। पुलिस कांस्टेबल हमारी टीम के साथ फूड इन रेस्टोरेंट पहुंचे जहां पर पूरा होटल ग्राहकों से भरा हुआ था। कांस्टेबल यह सब देख कर वहां से चले गए। उसके बाद हमारी टीम ने 100 नंबर डायल किया, काफी टाइम बाद जब पुलिस आई तब तक पूरा रेस्टोरेंट् खाली हो चुका था। यह सब देख कर ओशिवारा पुलिस स्टेशन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठता है। पुलिस ऑफिसर नाइट पी आई धनंजय सोनावणे से जब हमारी टीम ने एफआईआर की कॉपी मांगी तो उन्होंने कहा कि एफआईआर में टाइम जाएगा आप सुबह आकर एफआईआर की कॉपी ले लीजिएगा। सुबह हमारी टीम एफआईआर की कॉपी लेने पहुंची तो हमारी टीम को गोल गोल बातों में घुमाना चालू कर दिया। दोपहर 12:30 बजे हमारी टीम ने डीसीपी अभिषेक त्रिमुखे जी से संपर्क किया। उसके कुछ समय के बाद हमारी टीम को एफआईआर कॉपी दी गई। हमारे माननीय मुख्यमंत्री उद्धवजी ठाकरे जी ने कहा है कि सभी व्यापारियों को आम जनता को कोविड-19 के नियमों का पालन करना है, फिर भी ओशिवारा पुलिस रेस्टोरेंट्स को नियमों का पालन नहीं करा सकी। अगर ऐसे ही मुंबई में कोविड-19 के नियमों का रेस्टोरेंट्स उल्लंघन करते रहेंगे और हमारी पुलिस नियमों का पालन करवाने में असमर्थ रहेगी तो ऐसे हालात में मुंबई में कोविड-19 कई बेगुनाहों की जान ले सकता है। ओशिवारा पुलिस ने मुंबई हलचल की टीम को आश्वासन दिया है कि हमारे पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कोई भी रेस्टोरेंट्स को हम कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन नहीं करने देंगे, सभी रेस्टोरेंट को सरकार की बनाई हुई गाइडलाइन का पालन करना होगा, उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मिश्रित डोज के संबंध में आईसीएमआर के हालिया शोध में दावा

कोविशील्ड-कोवैक्सीन का मिश्रण असरदार, कोविड-19 को देगा मात

संवाददाता / नई दिल्ली

कोरोना वैक्सीन की मिक्स डोज को लेकर इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च आईसीएमआर के हालिया शोध में बेहद उत्साहवर्धक परिणाम देखे गए हैं।

दुनिया के कई अन्य देशों की तरह भारत में भी कोविड-19 संक्रमण की मिश्रित डोज को लेकर शोध किया जा रहा है। अपने इस शोध में आईसीएमआर ने कहा है कि कोविशील्ड और कोवैक्सीन के मिक्स डोज के बेहतर परिणाम सामने आए हैं।

आईसीएमआर के मुताबिक एडिनोवायरस वेक्टर प्लेटफॉर्म के आधार पर दो वैक्सीन को जब मिलाया गया, तो इससे न केवल कोरोना के संक्रमण को कम किया जा सका बल्कि इससे शरीर में अच्छी प्रतिरोधक क्षमता भी बनती देखी गई। गौरतलब है कि कोरोना पर विशेषज्ञ कार्य समिति (एसईसी) ने कुछ दिन पहले ही कोविशील्ड और कोवैक्सीन के मिश्रित खुराक के साथ ही नाक में दी जाने वाली भारत बायोटेक की वैक्सीन पर स्टडी को मंजूरी दी थी। एसईसी से जुड़े सदस्यों ने बताया कि कई देशों में एक ही इंसान को दो कोरोना वैक्सीन दी जा चुकी है और इसके परिणाम काफी बेहतर देखने को मिले हैं।

खास बातें

- उत्साहवर्धक परिणाम से स्वास्थ्य मंत्रालय में दिखी खुशी
- एडिनोवायरस वेक्टर प्लेटफॉर्म के आधार पर दो वैक्सीन को मिलाया गया

300 से अधिक हेल्थ वॉलिंटियर्स पर किया ट्रायल

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने कहा था कि इस स्टडी का उद्देश्य यह आकलन करना था कि क्या किसी व्यक्ति को दो अलग-अलग वैक्सीन की डोज दी जा सकती है। टीकाकरण को पूरा करने के लिए एक व्यक्ति को कोविशील्ड और कोवैक्सिन के अलग-अलग शॉट्स दिए जा सकते हैं। सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने विस्तृत विचार-विमर्श के बाद सीएमसी, वेल्लोर को चौथे स्टेज के क्लीनिकल ट्रायल की अनुमति देने की सिफारिश की थी। इसमें 300 हेल्थ वॉलिंटियर्स

यूपी में गलती से लग गई थी दो अलग-अलग वैक्सीन

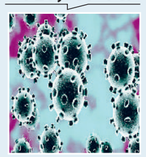

समिति के सदस्यों ने बताया कि कोविशील्ड और कोवैक्सीन की मिश्रित खुराक का अभी तक कोई प्रतिकूल प्रभाव देखने को नहीं मिला है। उत्तर प्रदेश में गलती से एक शख्स को दो अलग-अलग वैक्सीन की डोज दे दी गई थी। इसके बाद डॉक्टरों ने उस शख्स पर नजर बनाए रखी। शख्स पूरी तरह से स्वस्थ है और उसे किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं है। पूर्ण संभावना है कि वैज्ञानिक अध्ययन में कोरोना वायरस और एडिनो वायरस से बनीं दो अलग-अलग वैक्सीन एक शरीर में जाकर समान असर दिखाएंगीं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा

अब तक 50.62 करोड़ से अधिक टीके दिए गए

देश में अभी तक कोविड-19 टीके की 50.62 करोड़ से अधिक खुराक लोगों को दी जा चुकी है। यह जानकारी शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। मंत्रालय की तरफ से शाम सात बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को 50 लाख से अधिक खुराक दी गई। मंत्रालय ने कहा कि शनिवार को 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग में 27,55,447 लोगों को टीके की पहली खुराक दी गई और 5,08,616 लोगों को दूसरी खुराक लगाई गई।सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत होने के बाद 18 से 44 वर्ष तक के कुल 17,54,73,103 लोगों को टीके की पहली खुराक और 1,18,08,368 लोगों को दूसरी खुराक दी गई है। मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में इस उम्र वर्ग में एक करोड़ से अधिक लोगों को कोविड-19 का टीका लग चुका है।

केरल में कोरोना की मार, एक दिन में 20,367 केस

कोरोना के मामले देश में भले ही कम हुए हैं लेकिन कुछ राज्य अभी भी खासा प्रभावित हैं। इनमें से एक केरल भी है जहां हालात ठीक नहीं हैं। शनिवार को केरल में कोविड-19 के 20,367 ताजा मामले और 139 मौतें दर्ज की गईं। राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या 35,33,918 है और अब तक 17,654 लोगों की मौत हो चुकी है।एक आधिकारिक प्रेस रिलीज ने कहा राज्य में अब तक 20,265 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। शुक्रवार के बाद से, ठीक होने वालों की कुल संख्या 33,37,579 और सक्रिय मामलों की संख्या 1,78,166 है।

असम-मिजोरम विवाद

शाह से मिलेंगे अजमल निकालेंगे संकट का हल

संवाददाता / नई दिल्ली

आल इंडिया युनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंड के नेता और असम से सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा है कि वे असम और मिजोरम के मुद्दे पर रविवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने जा रहे हैं।

बदरुद्दीन ने कहा कि असम के सभी पड़ोसी राज्यों ने असम की जमीन पर कब्जा किया हुआ है। उन्होंने कहा कि असम और मिजोरम का मुद्दा जल्द से जल्द हल होना चाहिए और वे इसके बारे में वे पीएम मोदी को भी लिखेंगे। इस बीच असम सरकार में मंत्री अशोक सिंघल और परिमल सुक्लाबैद्य ने शनिवार को कछार जिले के लैलापुर स्थित मिजोरम से लगती सीमा का दौरा किया और स्थानीय लोगों से मिजोरम की आर्थिक नाकेबंदी खत्म कर वाहनों को पड़ोसी राज्य में जाने देने का आग्रह किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ट्रकों पर किया गया था पथराव

जब मंत्री ट्रक संघ के सदस्यों से चर्चा कर रहे थे तभी नाराज जनता ने वहां पथराव शुरू कर दिया और वहां फंसे दो ट्रकों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही कछार की पुलिस अधीक्षक रमणदीप कौर सहित बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लाया। 26 जुलाई को सीमा पर हुई झड़प में असम पुलिस के छह कर्मियों सहित सात लोगों की मौत होने के बाद स्थानीय लोगों और कुछ संगठनों ने मिजोरम की 'अनधिकारिक आर्थिक नाकेबंदी' कर दी है। सीएम हिमंत बिश्व सरमा ने दोनों मंत्रियों को मिजोरम से लगती लैलापुर पुलिस चौकी जाने और स्थानीय लोगों को आवश्यक सामग्री पड़ोसी राज्य में जाने देने के लिए मनाने का निर्देश दिया है।

पीएम से मिलकर सरमा दूर करेंगे तनाव

मिजोरम के साथ सीमा विवाद को लेकर असम के सीएम सरमा कल पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करंगे। दिल्ली में होने वाली इस मुलाकात में असम के भाजपा सांसद भी मौजूद रहेंगे। असम-मिजोरम के बीच सीमा विवाद का मुद्दा उस समय तूल पकड़ लिया जब पिछले महीने खूनी झड़प हो गई थी। सीमा पर झड़प में असम पुलिस के छह कर्मियों और एक आम आदमी के मारे जाने तथा 50 अन्य के घायल होने के स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। असम की बराक घाटी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 306 पर कई समूहों के आर्थिक नाकेबंदी करने के बाद मिजोरम के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई थी।

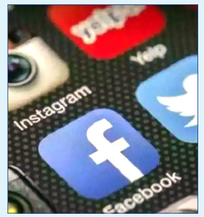

नए आईटी नियमों के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका, दमनकारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए खतरा हैं कानून

मुंबई। सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) मैनुअल 2021 के नियमों को चुनौती देते हुए बंबई हाई कोर्ट में दो याचिकाएं डाली गई हैं। आई टी नियमों पर नकेल कसने के लिए दायर की गई दो याचिकाओं में सोमवार को कहा गया कि यह नियम 'अस्पष्ट' और 'दमनकारी' हैं। समाचार वेबसाइट 'द लीफलेट' और पत्रकार निखिल वागले की ओर से यह याचिकाएं दायर की गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने अदालत में कहा कि आईटी नियमों का प्रेस तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर घातक असर होगा। द लीफलेट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील डेरियस खम्बाटा ने मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ से मांग करते हुए कहा कि नए नियमों पर तत्काल रोक लगाई जाए।

नए नियमों पर क्यों मचा इतना हंगामा?

याचिकाकर्ताओं ने कहा कि नए नियमों के तहत नागरिकों और पत्रकारों के डिजिटल समाचार वेबसाइट आदि पर प्रकाशित सामग्री पर कई पाबंदियां लगाई गई हैं। उन्होंने कहा कि इसके रेगुलेशन और उत्तरदायित्व की मांग करना ऐसे पैरामीटर पर आधारित है जो कि अस्पष्ट हैं और वर्तमान आईटी नियमों के प्रावधानों तथा संविधान के द्वारा दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के परे हैं।

याचिका में क्या कहा गया है?

खम्बाटा ने कहा, ऐसा पहली बार हो रहा है कि सामग्री पर खुलकर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। यह नियम आईटी कानून के मापदंडों से परे हैं। यह नियम आर्टिकल 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रावधानों से भी परे जाते हैं। उन्होंने कहा, यह नियम अस्पष्ट और दमनकारी हैं। इससे लेखकों, प्रकाशकों, सामान्य नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर घातक असर होगा जो इंटरनेट पर कुछ भी डाल देते हैं। यह नियम तर्क के परे हैं। वागले की ओर से पेश हुए वकील अभय नेवागी ने अदालत को बताया कि यह नियम अविवेकपूर्ण, अवैध और नागरिकों के निजता के अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ हैं।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री जॉन बारला के जन्मदिन के मौके पर समाजसेवक मोहम्मद इमरान ने उनसे मुलाकात कर जन्मदिन की बधाई दी.

महाराष्ट्र में मुसीबत बन सकता है डेल्टा प्लस वैरियंट, मरीजों की संख्या बढ़कर हुई 45

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस का खतरा अभी भी कुछ जिलों में बना हुआ है। इसके साथ ही डेल्टा प्लस वैरियंट के बढ़ते मामलों ने भी सरकार की चिंता को बढ़ा दिया है। राज्य में डेल्टा प्लस वैरियंट के मामले अब 45 तक पहुंच चुके हैं। बीते चौबीस घंटों में देशभर में 35 हजार 499 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। जबकि 447 लोगों को इस बीमारी की वजह से जान गंवानी पड़ी है। फिलहाल देश में एक्टिव मरीजों की संख्या चार लाख दो हजार 188 है। जबकि रिकवरी रेट 97.40% है। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटों में पांच हजार 508 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 151 मरीजों की मौत दर्ज की गई है। राज्य में फिलहाल कोरोना से होने वाली मृत्युदर 2.1% है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 323 नए मरीज पाए गए हैं जबकि 9 लोगों की मौत दर्ज की गई है। फिलहाल मुंबई में कोरोना अब काफी हद तक नियंत्रण

में आ चुका है। चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस से पूरी दुनिया जूझ रही है और लाखों लोग इस महामारी से अब तक मारे जा चुके हैं। कोरोना वायरस के डेल्टा वेरिएंट से विश्वभर में तबाही मची हुई है। महासंकट की इस घड़ी में चीन ने कोरोना वायरस पर काबू पाने का दावा किया और कोविड-19 के गढ़ रहे वुहान शहर लेकर देश के अन्य हिस्सों में पार्टियों और जश्न का दौर शुरू हो गया। इस बीच चीन ने एक चूक कर दी और अब देश में वर्ष 2019 के बाद सबसे बड़ा कोरोना संक्रमण फैला है। चीन ने कोरोना वायरस को मात देने के लिए हर तरफ कड़ा घेरा बना रखा है। अक्सर हजारों लोगों की लगातार टेस्टिंग होती रहती है। इन सबके बावजूद डेल्टा वेरिएंट ने उसके घेरे को तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि चीन में कोरोना के ताजा मामले की शुरूआत मास्को से आई एक उड़ान के जरिए हुआ। मध्य जुलाई में चीन के पूर्वी शहर नानजिंग स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मास्को से एक यात्री विमान उतरा था। इस विमान में सवार 7 लोग कोरोना वायरस के डेल्टा वेरिएंट से संक्रमित थे। इन यात्रियों से एयरपोर्ट की सफाई करने वाले लोगों में कोरोना वायरस फैल गया। सफाई स्टाफ से कुल 9 लोग 20 जुलाई से अब तक कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इन लोगों से कोरोना संक्रमण बहुत तेजी से उन लोगों तक पहुंच गया जो एयरपोर्ट पर आए थे। यह एयरपोर्ट एक बड़ा यातायात हब है। कुछ सप्ताह के अंदर ही डेल्टा वेरिएंट नानजिंग से 1900 किमी दूर हैनान द्वीप तक पहुंच गया। अब दोबारा संक्रमण के फैलने से देश में हाईअलर्ट है। हवाई अड्डे से फैला संक्रमण देश के 17 प्रांतों तक पहुंच चुका है। इनमें से आधे मामले तटीय प्रांत जियांग्शु में आए हैं जिसकी राजधानी नानजिंग है।

सीजेआई की फटकार के बाद सीबीआई की कार्रवाई

हाईकोर्ट के जजों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में पांच 'माननीय' अरेस्ट

संवाददाता / नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी और सोशल मीडिया में पोस्ट करने के आरोप में सीबीआई ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। निचली अदालतों के जजों के खिलाफ अपजानजनक टिप्पणी के बाद किसी प्रकार की कार्रवाई न होने पर सीजेआई एनवी रमन्ना ने नाराजगी जताई थी। अब सीबीआई की तरफ से इस मामले को लेकर कार्रवाई की गई। वाईएसआर कांग्रेस के सांसदों को अरेस्ट किया है।

सांसद और पूर्व विधायक से भी पूछताछ

सीबीआई प्रवक्ता आरसी जोशी ने कहा कि एक बड़ी साजिश की जांच के लिए सीबीआई ने एक सांसद और पूर्व विधायक समेत कुछ लोगों से पूछताछ की और इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका भी जांच की जा रही है। एजेंसी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश से पट्टापू आदर्श और लवनुरु सांबा शिवा रेड्डी दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

चीफ जस्टिस की तीखी टिप्पणी

इससे पहले चीफ जस्टिस ने आरोपियों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं होने पर कहा था कि सीबीआई ने कुछ नहीं किया हमें बहुत ज्यादा उम्मीद थी कि सीबीआई के तरीकों और बर्ताव में अंतर आएगा लेकिन हमें माफ कीजिएगा कुछ भी नहीं बदला। चीफ जस्टिस ने कहा कि जब जज आईबी या फिर सीबीआई से उन्हें दी जानें वाली धमकियों के बारे में जानकारी देते हैं तो ये एजेंसी कोई ठोस कदम नहीं उठाती।

मुंबई में बंगाल जैसे हालात खतरे में हिंदू धर्मः नितेश

नई दिल्ली। भाजपा विधायक नितेश राणे ने महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि मुंबई में हालात पश्चिम बंगाल जैसे हैं। यहां गणेश उत्सव मनाना मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि यहां हिंदू धर्म खतरे में है। राणे ने कहा कि मुंबई में स्थिति पश्चिम बंगाल के समान है, जहां दुर्गा पूजा समारोह प्रतिबंधित थी। गणेश उत्सव मंडलों के लिए नए नियमों के अनुसार त्योहार मनाना मुश्किल है। हमने राज्यपाल के सामने अपनी समस्या रखी है। कुछ समय पूर्व अन्य धार्मिक उत्सव मनाए जाते थे, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ता था। फिर सिर्फ हिंदू ही क्यों? हिंदू धर्म खतरे में है। हमने राज्यपाल से अपने त्योहार की रक्षा करने को कहा, नहीं तो ठाकरे सरकार धीरे-धीरे त्योहार खत्म कर देगी।

कोरोना नियमों के उल्लंघन का आरोप

त्रिपुरा में तृणमूल कांग्रेस के 12 कार्यकर्ता और नेता गिरफ्तार

संवाददाता / अगरतला

त्रिपुरा के खोवई जिले में कोविड नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में रविवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कम से कम 12 नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। इनमें वे कार्यकर्ता भी हैं जो एक दिन पहले भाजपाकार्यकर्ताओं के कथित हमले में घायल हो गए थे। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी गिरफ्तार पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर खोवई रवाना हुए। इन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया जाएगा।

अभिषेक को दिखाए गए काले झंडे

त्रिपुरा में कथित हमले के बाद सांसद और ममता बेनर्जी के भतीजे अभिषेक अगरतला पहुंचे। टीएमसी ने आरोप लगाया त्रिपुरा के धलाई जिले में उनके नेताओं पर हमला किया गया। इस बीच लोगों ने अभिषेक को काले झंडे दिखाए और बाहन को रोकने का प्रयास किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

राजस्थान हलचल

नई अनाज मंडी, अबोहर में मानव सेवा समिति द्वारा 25 ट्री गार्ड फिट करके विभिन्न किस्म के पौधे लगाए गए

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। पौधे लगाने के लिए सावन का महीना बेहतरीन होता है क्योंकि इस दौरान वातावरण के हालात अनुकूल होते हैं। जहां मानव सेवा समिति द्वारा पिछले हफ्ते सरकारी प्राइमरी स्कूल, अजीमगढ़ (अबोहर) में पौधारोपण किया गया था, वहीं स्थानीय नई अनाज मंडी में 25 ट्री गार्ड फिट करके उसमें अलग-अलग किस्म के छायादार पौधे लगाने की सेवा की गई है। इस सेवा के बारे में संस्था की पर्यावरण कमेटी के प्रधान संजय मानव ने बताया कि वातावरण को हरियाली के जरिए बेहतर बनाने के मकसद से स्थानीय नई अनाज मंडी में नवीनीकरण के कार्य के दौरान जो फुटपाथ बनाए गए हैं, वहां पौधारोपण किया गया है ताकि भविष्य में सब लोगों को इसका लाभ मिले और साथ ही वातावरण की बेहतरी के लिए पौधारोपण करना समय की मांग है। इस जगह पर मुख्य रूप से पीपल, सुहांजना, कचनार, लसूड़ा, शहतूत, डेक आदि पौधे लगाए गए हैं। यह पहला वाक्या है जब संस्था द्वारा एक ही दिन में इतनी गिनती में एक साथ ट्री गार्ड फिट कर के पौधे लगाए गए हैं। इसके अलावा आम पर्यावरण प्रेमियों को करीब 50 पौधे बांटने की सेवा भी निभाई गई है। अगर पर्यावरण प्रेमियों का सहयोग मिलता रहे तो यह सेवा और भी बेहतरी से निभाई जा सकेगी। संस्था की पर्यावरण कमेटी के ज्वाइंट सेक्रेट्री दविंदर सिंह रावत, प्रमुख सेवादार सुभाष मानव के साथ गुरप्रीत सिंह कैंथ, डॉ. विजय ग्रोवर, रविंदर सिंह, निकुंज कुमार साहू, मनीष मेहंदीरत्ता, दविंदर सिंह बराड़, अजय बिश्नोई, अंकुश छाबड़ा, रोशन लाल, ललित कश्यप, राम कुमार, महिंदर कुमार, सतपाल गुंबर, मोहन लाल, प्रवीन ग्रोवर, रोहित कारगवाल के अलावा एक सेवाभावी पर्यावरण प्रेमी इस सेवा में शामिल रहे, जिनके द्वारा सेवा करने के साथ 500/- का आर्थिक सहयोग भी दिया गया। मानव सेवा समिति द्वारा जहां स्थानीय फाजिल्का रोड़ पर नई अनाज मंडी के बाहर लगे पौधों की संभाल की जा रही है, वहीं आज लगाए गए पौधों की संभाल की जिम्मेवारी भी मानव सेवा समिति द्वारा ली गई है।मानव सेवा समिति द्वारा पौधारोपण सेवा में किसी भी रुप में शामिल रहने वाले हर शख्स का शुक्रिया किया जाता है और वातावरण को बेहतर बनाने की इच्छा रखने वाले हर शख्स से इस कार्य में सहयोग करने की अपील करती है।

अज्ञात ट्रक चालक ने लापरवाही से ट्रक चलाते हुए गाय को मारी टक्कर, गंभीर घायल गाय ने तोड़ा दम

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। वन्दे गौ मातरम मंच के प्रवक्ता कर्णपाल सिंह ने बताया की गत रात्री गोगा गेट सर्कल के पास किसी अज्ञात ट्रक चालक ने लापरवाही और तेज गती से ट्रक की टक्कर से गाय को टक्कर मारी और ट्रक की चपेट में आने से गाय की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई सड़क खुन से लहुलुहान हो गई वहां प्रत्यक्ष दर्शी गौ भक्त सुरेनदर पण्डित और चोपड़ा जी ने ट्रक को रोकने की कोशिश की ट्रक चालक ने

उन्हें भी उडाने की कोशिश की और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। इसी घटना के विरोध में आज सुरेन्द्र पण्डित और चोपड़ा जी ने एफआईआर दर्ज करवाई और वन्दे गौ मातरम परिवार ने कोटगेट थाना अधिकारी को ज्ञापन सोंपां। ज्ञापन के समय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सारस्वत, पार्षद अनूप गहलोत, पार्षद शिव कुमार, भंवर लाल सहु, देवराज जीतु बिसा भाटी, लक्की, योगेश, हरीनारायण, कैलाश राजपुरोहीत उपस्थित रहें।

समस्तीपुर हलचल

बिहार झारखंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन भारत बचाओ आंदोलन के सत्याग्रह आंदोलन में शामिल हुए

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर बी.एस.एस.आर. यूनियन इकाई ने 'भारत बचाओ आंदोलन' सत्याग्रह में अपनी भागीदारी और जनता तथा अपने सदस्यों के मांग के साथ आंदोलन में शामिल हुए। इस सत्याग्रह आंदोलन के माध्यम से बी.एस.एस.आर. यूनियन तथा एफ. एम. आर. ए. आई. के सदस्यों ने अपनी निम्न मांगों को बुलंद किया।

मांग :-

1. श्रमिक विरोधी श्रम संहिता अभिलंब भारत सरकार वापस ले।
2. अधिकांश दवा प्रतिनिधि किसान पुत्र है , इसलिए किसानों के हित में किसान विरोधी तीनों काला कृषि कानून वापस ले।
3. आयकर से नीचे आने वाले श्रमिकों को 7000 प्रतिमाह जीवन यापन के लिए दिया जाए।
4. भुखमरी और गरीबी से शिकार तथा बी.पी.एल. परिवारों को 10 किलो प्रति माह खाद्य अनाज सभी परिवारों को दिया जाए।
5. सभी लोगों के लिए समान स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाए और स्वास्थ्य सुविधाओं के निजीकरण पर रोक लगाया जाए और स्वास्थ्य सुविधा को पूर्णतः सार्वजनिक करण किया जाए।

6. सभी छात्र नौजवान और बेरोजगारों को रोजगार सुनिश्चित किया जाए।
7. सार्वजनिक संस्थाओं का निजीकरण पर अविलंब रोक लगाया जाए जैसे रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंक, एल.आई.सी., विमान, एचएएल, वेल इत्यादि के निजीकरण पर अविलंब रोक लगाया जाए।
8. बिजली बिल अधिनियम - 2020 को अविलंब वापस लिया जाए।
9. सभी नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान किया जाए अर्थात पेंशन सुविधा इत्यादि मुहैया कराया जाए।
10. सभी दवा कंपनियों में विक्रय प्रतिनिधि अधिनियम - 1976 अर्थात एस.पी.ई. एक्ट - 1976 को लागू किया जाए।
11. किसी भी कर्मचारी पर दमन, प्रताड़ना तथा दंडित नहीं किया जाए तथा सभी विक्रय प्रतिनिधियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान किया जाए।
12. दवा का दाम कम किया जाए तथा दवा पर जी.एस.टी. जीरो किया जाए और सार्वजनिक क्षेत्र के दवा कंपनियों को पुनर्जीवित किया जाए।

उपरोक्त मांग को लेकर बी.एस.एस.आर. यूनियन इकाई समस्तीपुर के सदस्यों ने आज दिनांक 09.08.2021 को 'सत्याग्रह आंदोलन' में शिरकत किया तथा सैकड़ों की संख्या में समस्तीपुर के दवा प्रतिनिधि शामिल थे तथा अपनी आवाज को बुलंद किया सभा का संचालन तथा अध्यक्षता पार्थो सिन्हा ने किया संबोधन बी.एस.एस.आर. यूनियन इकाई समस्तीपुर के सचिव श्याम सुंदर तथा बी.एस.एस.आर. यूनियन के संयुक्त महासचिव अनुपम कुमार ने किया। सत्याग्रह आंदोलन में मिहिर गुप्ता, हिमांशु कुमार, प्रकाश कुमार, अनिल कुमार, शशिकांत, विजय कुमार सहित सैकड़ों दवा प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सम्भल हलचल

शादीशुदा प्रेमी प्रेमिका को लेकर हुआ फरार, नरौली चौकी में प्रेमिका के दादा ने रिपोर्ट दर्ज कराने को दी तहरीर

संवाददाता/अरमान उलहक

सम्भल। उत्तर प्रदेश के जनपद सम्भल के थाना बनियाठेर क्षेत्र की रिपोर्टिंग पुलिस चौकी नरौली क्षेत्र के ग्राम भाटोर में अजीबोगरीब मामला सामने आया है जहाँ एक शादीशुदा युवक सामाजिक मर्यादा को लाँघकर कुमारी रितेश नाम की युवती को लेकर फरार हो गया ग्राम भाटौर निबासी फूलसिंह पुत्र लीलाधर के तीन बेटे हैं जो की पंजाब में रहकर मेहनत मजदूरी कर के अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं बडे बेटे संतकुमार की पुत्री कुमारी रितेश ग्राम भाटोर में अपने दादा फूलसिंह पुत्र लीलाधर के पास ग्राम भाटोर में ही रह रही थी दिनांक 1.8.2021 को दिन में कुमारी रितेश अचानक कही गायब हो गई लड़की को इधर उधर रिश्तेदातरी और ग्राम में काफी तलाश किया गया लेकिन कोई भी जानकारी नही हुई। लड़की के दादा ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया है की चंडीगढ़ के जीरकपुर में एक लड़का जिस का नाम सुनील कुमार पुत्र राजू पहले से ही शादी शुदा है जिस की तीन माह पूर्व शादी हो गई है मेरी पोती को बहला फुसलाकर ले गया है। मैने अपनी पोती को बहला फुसलाकर ले जाने के सम्बंध में थाना बनियाठेर ब नरौली पुलिस चौकी में लिखित तहरीर दे दी है लेकिन मेरी कोई भी कार्यवाही नही हो रही है वहीं दूसरी और चौकी प्रभारी नरौली योगराज सिह ने बताया पीड़ित पक्ष द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर सुनील कुमार पुत्र राजू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं जल्द ही शादी शुदा युवक और युवती को गिरफ़्तार कर न्यायालय में पेश किया जायेगा युवती द्वारा दिये गए व्यानों के आधार पर ही कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

बुलडाणा हलचल

बुलडाणा जिले में 44,000 नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए

बुलडाणा। बार-बार नोटिस और घर पर करने के बावजूद जिले के 53,225 मतदाताओं में से 44,646 ने मतदाता सूची के लिए चुनाव विभाग को अपनी तस्वीरें जमा नहीं की, इसलिए उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इसलिए इन नामों को 15 जनवरी 2021 को प्रकाशित 20 लाख 54 हजार 384 मतदाताओं की अंतिम सूची से हटा दिया जाएगा। चूंकि अब 44 हजार 646 नाम हटा दिए गए हैं, इसलिए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि इसका असर आगामी नगर पालिका और जिला परिषद चुनावों पर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि अकेले बुलडाना विधानसभा क्षेत्र के 17 हजार 939 मतदाताओं के नाम इसमें से हटा दिए गए हैं। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि निकट भविष्य में सभी राजनीतिक दलों पर इसका असर पड़ेगा।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस. राममूर्ति के निर्देशानुसार चुनाव विभाग के तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर भीकाजी घुगे, भूषण अहिरे के साथ-साथ अनुमंडल पदाधिकारी एवं मतदाता पंजीकरण अधिकारी ने भी इस कार्य को अंजाम दिया। एक तरह से प्रवासी समझकर 46 हजार 646 लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। नगर परिषद और जिला परिषद चुनाव आ रहे हैं, लेकिन जबकि इन नामों को हटा दिया गया है, स्थानीय राजनीति पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, कई लोगों ने तस्वीरें उपलब्ध नहीं कराईं थी। मलकापुर विधानसभा मतदाता सूची से 803। बुलडाना 17939, चिखली 10076, सिंधखेड़ राजा 6028, मेहकर 1561, खामगांव 3074 और जलगांव जमोद विधानसभा क्षेत्रों के नाम हटा दिए गए हैं।

चिखली तहेसील में 147 स्कूल अब भी बंद, अंधेरे में है ग्रामीण छात्रों का भविष्य

बुलडाणा। शिक्षा मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है, आधुनिक युग में शिक्षा के अलावा कोई विकल्प नहीं है। कोरोना वायरस के प्रकोप से पूरी दुनिया ठप हो गई थी। हालांकि, राज्य में कोरोना वायरस के मामलों में कमी को देखते हुए सरकार ने चरणबद्ध तरीके से स्कूल शुरू करने का फैसला किया है। इसमें तालुका में कक्षा 8वीं से 12वीं तक के 110 में से 87 स्कूल शुरू किए गए हैं, जिनमें से 23 स्कूल और पहली से 7वीं तक के 147 स्कूल बंद हैं और ग्रामीण छात्रों का भविष्य संशय में है। कोरोना काल में राज्य सरकार ने स्कूलों को बंद कर दिया था लेकिन पढ़ाई फिर से शुरू कर दी गई थी। जिसके तहत छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा देने की नीति बनाई गई। इससे पता चलता है कि निजी स्कूल के छात्र इस शिक्षण पद्धति का व्यापक उपयोग कर रहे हैं। लेकिन जिला परिषद के स्कूली छात्र ऑनलाइन शिक्षा से वंचित रहे रह है। ऑनलाइन शिक्षण पद्धति में कई। सीमा आ रही है और यह सभी के लिए स्पष्ट है कि यह संभव नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों के जिला परिषद स्कूलों में किसानों और खेतिहर मजदूरों के बच्चों को पढ़ाया जाता है। जबकि इनमें से अधिकांश बच्चों के पास स्मार्ट मोबाइल नहीं है, कई गांवों में ऑनलाइन शिक्षा बाधित हुई है क्योंकि मोबाइल की रेंज नहीं है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बचपन से ही करें आंखों की, तेज रहेगी नजर !

पहले समय में बढ़ती उम्र के लोगों में आंखों से संबंधी समस्याएं सुनने और देखने को मिलती थी लेकिन आजकल कम उम्र के बच्चों में यह समस्या आम दिख रही है। ऐसा बदलते लाइफस्टाइल और लोगों के खान-पान में बदलाव होने के कारण होता है। बच्चे अपना ज्यादातर समय टी.वी, कंम्यूटर पर आंखें गड़ाए रखते है और पौष्टिक आहार से कोसो दूर रहते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को उनकी आंखों की खास देखभाल करने की जरूरत है। अगर बचपन से ही बच्चे की आंखों पर ध्यान दिया जाएं तो आगे चलकर इनसे संबंधित कई तरह की समस्याओं से बचा सकता है।

1. आहार
संतुलित आहार, जिसमें लाल और हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, गाजर, चुकंदर और पीले फल जिसमें शामिल हैं आम, पपीता जो कैरोटीन से भरपूर है जो बच्चों के लिए फायदेमंद होते है।

2. टी.वी देखना
बच्चे को ज्यादा देर तक टी.वी के पास न बैठने दें। टी.वी को अच्छी रोशनी वाले कमरे में रखें और अपने से 3.5 मीटर की दूरी पर इसको रखें।

3. कंम्यूटर का उपयोग
बच्चों को इसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण ढ़ंग से करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि आंखें थके नहीं। कंम्यूटर की स्क्रीन आंख के स्तर से नीचे होनी चाहिए, जिससे आंखों की रोशनी बनी रहती है और थकावट दूर रहती है।

4. आंखों को बार-बार हाथ लगाना
स्कूली बच्चों में एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस होता है इसलिए बच्चों को आंखों को बार-बार पोछने से मना करना चाहिए।

5. नियमित अन्तराल
पढ़ने, कंम्यूटर पर कार्य करने और ऐसे ही अन्य आंखों से होने वाले कार्यों के लिए नियमित अंतर बनाए रखें।

आप भी लेते हैं हॉट शॉवर, हो जाएं सावधान!

कुछ लोग सर्दी की शुरूआत से ही गर्म पानी से नहाना शुरू कर देते हैं। गर्म पानी से नहाना हर किसी को पसंद होता है क्योंकि इससे मांसपेशियां की अकड़ कम होती है। गर्म पानी से नहाने से जहां ठंड से राहत मिलती है वहीं इससे कई समस्याएं भी पैदा होती है। यह त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचाता है इसलिए सर्दियों में हॉट शावर अधिक समय तक न लें। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है लोग गर्म पानी का इस्तेमाल अधिक करने लगते हैं। इसी के साथ लोग अधिक गर्म पानी से नहाना पसंद करते हैं, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंचता है। दरअसल, अधिक गर्म पानी से नहाने से शरीर की ऊपरी सतह पर मौजूद ऑयली परत हट जाती है। ये सतह हमारी त्वचा के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह त्वचा में होने वाले दूसरे संक्रमण से बचाव करती है। इस लेयर के हटने के बाद त्वचा के संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। अधिक समय तक हॉट शावर लेने से कई बार चेहरे और होंठों पर सूजन भी आ जाती है।

घर पर ही करें हार्मोंस बैलेंस

हेल्दी रहने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है,हार्मोंस के असंतुलन से हेल्दी लाइफस्टाइल के बावजूद वजन बढ़ सकता है। हमारी भूख, नींद,मूड से लेकर सेक्स लाइफ तक हार्मोंस द्वारा प्रभावित होती है।ऐसे में जब भी हार्मोंस का असंतुलन होता है, तो इससे शरीर को हर वक्त थकान महसूस होती रहती है। इंफर्टिलिटी,पाचन से जुड़ी समस्याएं और कई मानसिक समस्याएं भी हार्मोंस में बदलाव के कारण होती हैं।हमारा स्वास्थ्य बिगड़ता है तो हमारे शरीर में बहुत जरूरी है कि हार्मोंस का संतुलन बना रहे, ताकि हम हमेशा स्वस्थ और फिट रहें। ऐसे में कुछ घरेलू तरीके अपनाकर आप अपने हार्मोंस को बैलेंस रख सकते है....

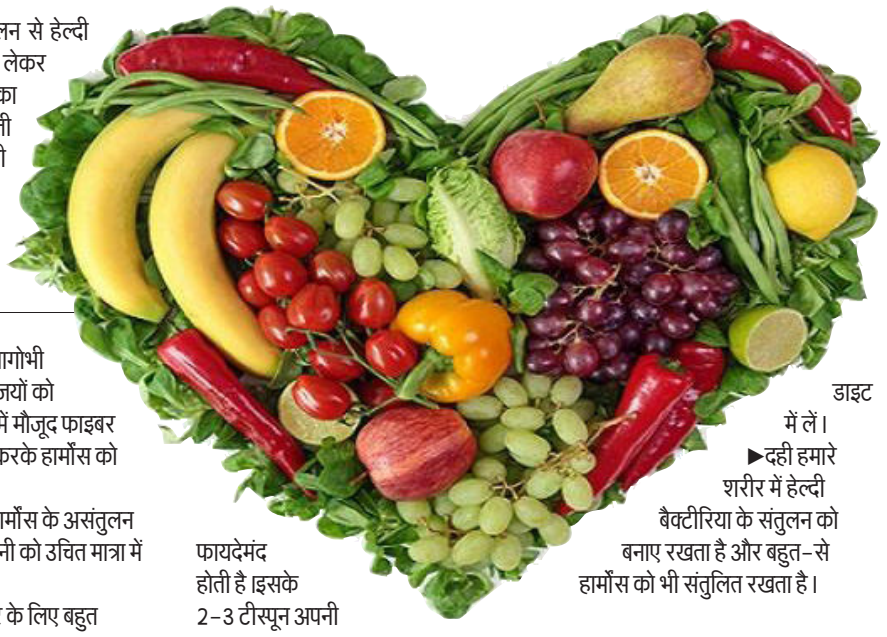

▶अपनी डाइट में कैफीन की मात्रा को कम करें।चाय-कॉफी को सीमित मात्रा में ही लें।

▶ नारियल तेल को अपने डायट में शामिल करें। यह हार्मोंस के संतुलन करने में मदद करता है। यह वजन को भी नियंत्रित करता है।

▶योग व प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।आप वॉकिंग और जॉगिंग भी कर सकते हैं।

▶ गाजर,ब्रोकोली, पत्तागोभी व फूलगोभी जैसी सब्जियों को अपनी डाइट में लें।इनमें मौजूद फाइबर टॉक्सिन्स को कंट्रोल करके हार्मोंस को बैलेंस करता है।

▶ पानी की कमी भी हार्मोंस के असंतुलन का कारण बनती है।पानी को उचित मात्रा में पीएं।

▶ अलसी हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है।इसके 2-3 टीस्पून अपनी डाइट में लें।

▶दही हमारे शरीर में हेल्दी बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखता है और बहुत-से हार्मोंस को भी संतुलित रखता है।

पति बनने से पहले छोड़ दे अपनी ये 6 आदतें

लड़के खुले मिजाज के होते हैं जो बिना किसी रोक-टोक के कहीं भी घूम सकते हैं, किसी के साथ भी दोस्ती कर सकते हैं। उन्हें किसी की परवाह नहीं होती लेकिन ऐसा शादी के पहले तो ठीक है। जब शादी हो जाएं तो इनको अपनी इन आदतों में बदलाव करना पड़ता हैं क्योंकि शादी का अनुभव हर एक व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई बदलाव जरूर लाता हैं। कुवारेंपन की जिंदगी की तरह ही शादीशुदा जिंदगी को जीना लड़कों और लड़कियों के जीवन में कठिनाईयां आ सकती हैं। इसलिए अपने इस नए शादीशुदा रिश्ते को खुशहाल और निरुत्साहित होने से बचाने के लिए अपने कुंवारेपन की कुछ आदतों को बदल लें। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएं जिन्हें आपको पति बनने से पहले ही छोड़ देना चाहिए।

चाबियों और मोजों पर ध्यान

सभी पत्नियां चाहती हैं कि उनका पति जिम्मेदार हो। अपनी सभी चीजों का ध्यान रखें। छोटी-छोटी चीज के लिए मुझ पर निर्भर न हो। अगर आप अपनी इन छोटी जिम्मेदारी को पूरा करेंगे तो पत्नी आपकी तारीफ करेंगी।

स्पोर्ट्स और वीडियो गेम्स

कुछ मर्दों की आदत होती हैं, काम से वापस आकर टी. वी. या गेम्स खेलने में व्यस्त रहना। मर्दों को अपनी इस आदत को पति बनने से पहले छोड़ दोना चाहिए क्योंकि पत्नियां चाहती है कि आप उनकी तरफ ज्यादा ध्यान दें।

दोस्तों के साथ अधिक समय बिताना

शादी के बाद कभी-कभार दोस्तों के साथ घूमने पर पत्नी गुस्सा नहीं करती लेकिन अगर आप रोज-रोज अपना खाली समय अपनी बीवी के साथ न बिताकर, दोस्तों के साथ व्यस्त रहते है तो इससे आपके रिश्ते में मन-मिटाव आ सकता है।

घर को फैलाना बंद करें

शादी के बाद अपने तौलिये से लेकर आपकी गंदी टी शर्ट को पलंग पर फैलाकर रखना बंद कर दें। चीजों को बिखेरने के बजाएं पत्नी के साथ मिलकर घर की साफ-सफाई करें ।

घर को रेस्टारेंट न समझें

आपकी पत्नी आपके घर की कुक या वेटर नहीं है। वह दिन भर आपके घर के काम करने और आपको खाना परोसने के लिए नहीं आई है। इसलिए उसे ऑडर देने के बजाएं उसकी मदद करें।

लड़कों के तरफ की बात करना

शादी के बाद पत्नी ही आपकी अच्छी दोस्त होती है लेकिन फिर भी आप पूरा समय लड़कों की तरफदारी करने में लगे रहते है तो अपनी इस आदत को बदल दें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लारा दत्ता ने रणबीर और आलिया की शादी पर किया खुलासा

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट इंडस्ट्री के लवली कपल्स में से एक हैं। रणबीर और आलिया ने भले ही अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया हो, लेकिन दोनों की शादी की डेट अक्सर आती रहती हैं। एक बार फिर इनकी शादी की खबरें सुर्खियों में आ गई है। हाल ही में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी पर बेल बॉटम एक्ट्रेस लारा दत्ता ने खुलासा किया है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान लारा दत्ता ने रणबीर और आलिया की शादी को लेकर बात की है। लारा दत्ता से जब रणबीर-आलिया की शादी के बारे में सवाल किया गया तो, एक्ट्रेस ने कहा, मुझे विश्वास है कि वो इस साल शादी कर लेंगे। आलिया और रणबीर के वर्क फ्रंट की बात करें तो दोनों ही एक साथ फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आएंगे। ब्रह्मास्त्र के सेट से ही इनकी लव स्टोरी शुरू हुई है।

'भाग मिल्खा भाग' के लिए सोनम कपूर ने ली थी इतनी फीस

फिल्ममेकर राकेश ओमप्रकाश मेहरा इन दिनों अपनी बुक 'द स्ट्रेंजर इन मिरर' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस किताब में उन्होंने कई दिलचस्प किस्से साझा किए हैं। इस किताब में राकेश ने 'भाग मिल्खा भाग' में सोनम कपूर की फीस के बारे में भी बताया है। राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' में सोनम कपूर ने सिर्फ 11 रुपए में काम करना स्वीकार किया। जब सोनम कपूर को यह फिल्म ऑफर हुई, तो उन्होंने राकेश मेहरा से कहा कि वे सिर्फ शगुन के 11 रुपए दें। राकेश ने अपनी किताब में लिखा कि सोनम कपूर फिल्म में बीरो का किरदार निभाने के लिए तैयार हो गई थीं। इसके लिए उन्होंने सिर्फ 11 रुपए फीस ली थी। सोनम जब भी स्क्रीन पर आती थीं एक छाप छोड़ जाती थीं। सोनम कपूर की फिल्म से जुड़ी खास यादें हैं। वह कहती थीं कि मैं फिल्म में तड़का थीं। इससे पहले सोनम कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि राकेश मेहरा की फिल्में सबसे अलग होती हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने की कड़ी मेहनत

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा जल्द ही फिल्म 'शेरशाह' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह कारिगल युद्ध के हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा के किरदार में नजर आएंगे। जब सिद्धार्थ मल्होत्रा को

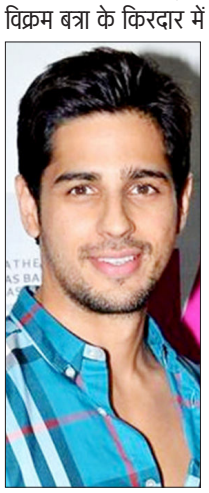

पहली बार वॉर हीरो के जुड़वां भाई विशाल बत्रा के माध्यम से कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन के जटिल विवरणों के बारे में पता चला, तो उन्हें तुरंत पता चल गया कि शेरशाह एक ऐसी कहानी है जिसे दुनिया भर के दर्शकों को बताई जानी चाहिए। पांच साल पहले सिद्धार्थ मल्होत्रा को पहली बार विशाल ने अपने भाई कैप्टन विक्रम बत्रा की भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया था, जो दिवंगत राष्ट्रीय नायक थे, जिन्होंने 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच भयंकर रूप से लड़े गए कारगिल युद्ध के दौरान अपने देश के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया था। हालांकि जिस समय सिद्धार्थ और विशाल कैप्टन विक्रम पर बायोपिक के लिए एक प्रोडक्शन टीम के साथ विवरण को अंतिम रूप देने में असमर्थ थे, सिद्धार्थ इस कहानी को बताने के लिए दृढ़ और समर्पित थे, जिसके परिणामस्वरूप शेरशाह पांच साल बाद सामने आई, जब धर्मा प्रोडक्शंस ने इस अवसर को अपना बना लिया।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Estd. : 2011
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in